

# सुन मेरी देवी पर्वतवासनी

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी  
कोई तेरा पार ना पाया ॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल ।  
ले तेरी भेंट चडाया ,  
सुन मेरी देवी पर्वतवासनी... ॥

सुवा चोली तेरी अंग विराजे ,  
केसर तिलक लगाया ॥  
सुन मेरी देवी पर्वतवासनी..

नंगे पग मां अकबर आया,  
सोने का छत्र चडाया ॥  
सुन मेरी देवी पर्वतवासनी...

ऊंचे पर्वत बनयो देवालाया.  
निचे शहर बसाया ॥  
सुन मेरी देवी पर्वतवासनी...

सत्युग, द्वापर, त्रेता मध्ये ।  
कालियुग राज सवाया ॥  
॥ सुन मेरी देवी पर्वतवासनी... ॥

धूप दीप नैवैध्य आर्ती ।  
मोहन भोग लगाया ॥  
॥ सुन मेरी देवी पर्वतवासनी... ॥

ध्यानू भगत मैया तेरे गुन गाया ,  
मनवंचित फल पाया ॥  
सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।  
कोई तेरा पार ना पाया ॥

Source: <https://www.bharattemples.com/sun-meri-devi-parvataasni/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App  
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>